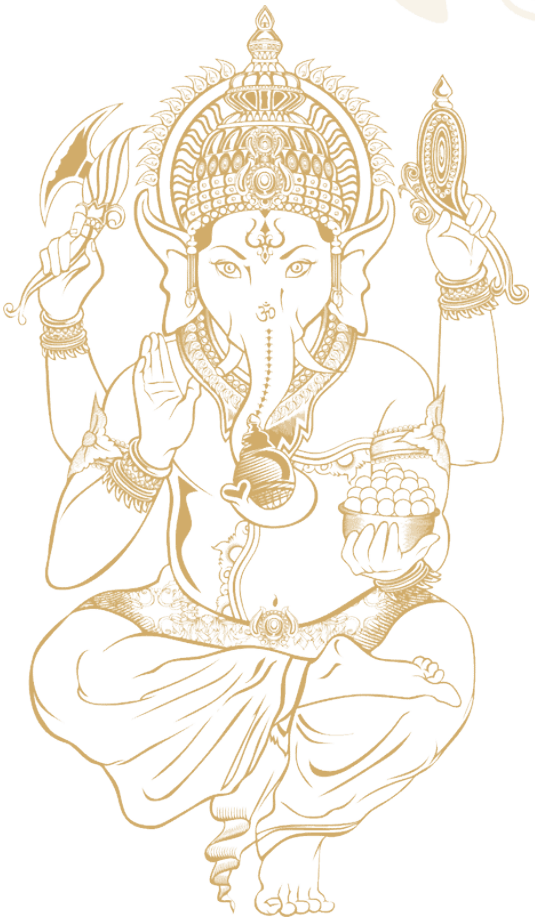

Pragya

Aman kumar

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121104906

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/02/2003	जन्म तिथि	25/01/1992
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:20:00	जन्म समय	14:30:00 घंटे
घटी 19:51:58	जन्म समय(घटी)	19:44:52 घटी
India	देश	India
Muzaffarpur	स्थान	Sahibganj
26:07:00 उत्तर	अक्षांश	25:15:00 उत्तर
85:23:00 पूर्व	रेखांश	87:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:32	स्थानिक संस्कार	00:20:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:12	सूर्योदय	06:25:34
17:42:09	सूर्यास्त	17:17:53
23:53:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 0मा 27दि	21:21:50	मिथु	लग्न	मिथु	04:44:52	मंगल 5वर्ष 10मा 25दि
सूर्य	04:22:22	कुंभ	सूर्य	मक	10:53:14	गुरु
16/03/2025	09:22:53	सिंह	चंद्र	कन्या	25:25:13	21/12/2015
16/03/2031	26:10:24	वृश्चि	मंगल	धनु	18:10:26	21/12/2031
सूर्य 03/07/2025	11:56:54	मक	बुध	धनु	29:03:54	गुरु 07/02/2018
चन्द्र 02/01/2026	17:15:45	कर्क व	गुरु व	सिंह	19:50:45	शनि 21/08/2020
मंगल 10/05/2026	20:44:15	धनु	शुक्र	धनु	06:20:20	बुध 27/11/2022
राहु 04/04/2027	28:15:41	वृष व	शनि	मक	14:56:36	केतु 02/11/2023
गुरु 21/01/2028	10:48:31	वृष व	राहु व	धनु	15:49:58	शुक्र 03/07/2026
शनि 02/01/2029	10:48:31	वृश्चि व	केतु व	मिथु	15:49:58	सूर्य 22/04/2027
बुध 08/11/2029	04:52:48	कुंभ	हर्ष	धनु	21:22:04	चन्द्र 21/08/2028
केतु 16/03/2030	17:25:11	मक	नेप	धनु	23:22:52	मंगल 28/07/2029
शुक्र 16/03/2031	25:44:12	वृश्चि	प्लूटो	तुला	28:55:45	राहु 21/12/2031

लग्न-चलित

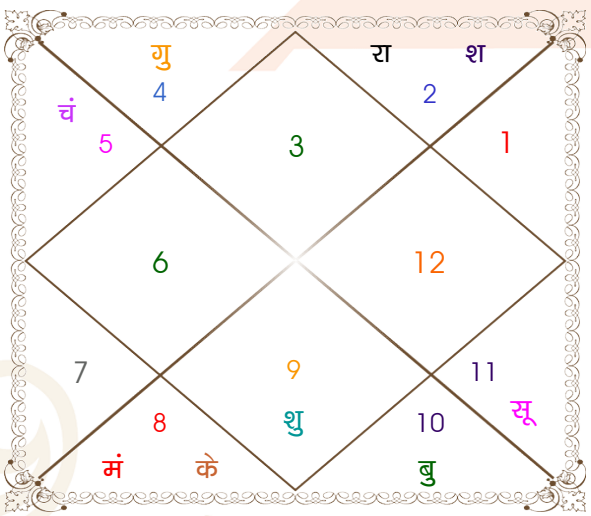

लग्न-चलित

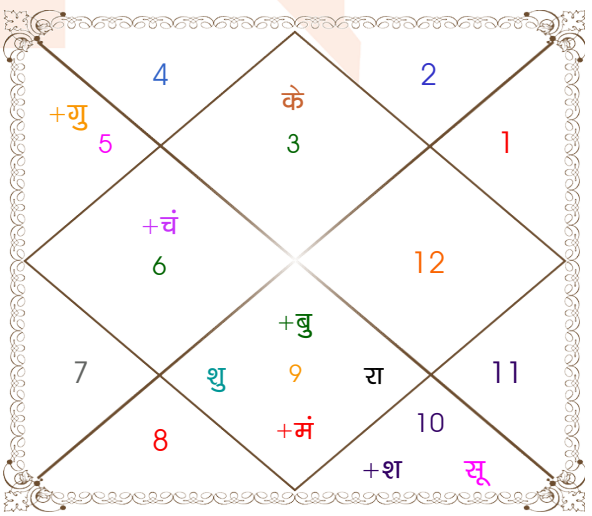

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

च्तंहलं का वर्ग मूषक है तथा ।उंद ।नउंत का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंहलं और ।उंद ।नउंत का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंहलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

।उंद ।नउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।उंद ।नउंत कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ।उंद ।नउंत कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तंहलं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्तंहलं तथा ।उंद ानउंत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।